ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

SWAMAAN

मैं अपने मूल संस्कारों के परिवर्तन द्वारा विश्व परिवर्तन करने वाली उदाहरण स्वरूप आत्मा हूँ

MADHUBAN

ब्रह्मा बाप की अन्त तक विशेषता देखी। न वैभव में लगाव रहा, न बच्चों में... सबसे वैराग्य वृत्ति। तो आज के दिन का बाप समान बनने का पाठ पक्का करना। बस ब्रह्मा बाप समान बनना ही है।

Brahma Kumaris

आज का सुगन्धित पुष्प

Fragrant Flower For Today

"मैं कल्प-कल्प का विजयी हूँ" - आप इसी श्रेष्ठ संकल्प में रहते हो।

आप मायाजीत हो। 😊

"I am victorious in every cycle" - you remain in this elevated thought.

You are a conqueror of Maya! 😊

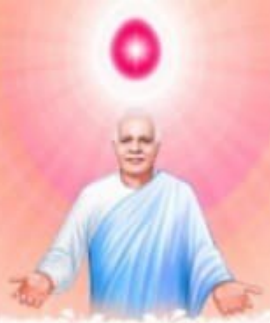

अव्यक्त शिक्षाएँ

पढ़ाई भले सब पढ़ते हैं लेकिन अन्तर यह है-ज्ञान को पाइंट्स के रूप में धारण करना और ज्ञान की एक-एक बात को शक्ति के रूप में धारण करना-इसमें अन्तर पड़ जाता है। जैसे ड्रामा की पाइंट्स उठाओ। यह बहुत बड़ा विजय प्राप्त करने का शक्तिशाली शस्त्र है। जिसको ड्रामा के ज्ञान की शक्ति प्रैक्टिकल जीवन में धारण है वह कभी भी हलचल में नहीं आ सकता। सदा एकरस अचल अडोल बनने और बनाने की विशेष शक्ति यह ड्रामा की पाइंट है। शक्ति के रूप में धारण करने वाला कभी हार नहीं खा सकता। लेकिन जो सिर्फ पाइंट के रूप में धारण करते हैं वह ड्रामा की पाइंट वर्णन भी करेंगे। हलचल में भी आ रहे हैं और ड्रामा की पाइंट भी बोल रहे हैं। कभी-कभी आँखों से आँसू भी बहाते जाते हैं! पता नहीं क्या हो गया, पता नहीं क्या है। और ड्रामा की पाइंट भी बोलते जाते हैं। हाँ, विजयी तो बनना ही है। हूँ तो विजयी रत्न। ड्रामा याद है लेकिन पता नहीं क्या हो गया। ऐसे ही आत्मा के प्रति भी कहेंगे- हूँ तो शक्तिशाली आत्मा, सर्व शक्तिवान की बच्ची हूँ लेकिन यह बात बहुत बड़ी है। ऐसी बात कब हमने सोची नहीं थी। कहाँ मास्टर सर्वशक्तिवान आत्मा और कहाँ यह बोल? तो एक आत्मा का पाठ, परम आत्मा का पाठ, ड्रामा का पाठ, 84 जन्मों का पाठ। सभी को शक्ति अर्थात् शस्त्र के रूप में धारण करना अर्थात् विजयी बनना है।

अ.बापदादा-21.03.85

परमात्म इशारे

Peace of Mind

सच्चा दिल अर्थात् हर समय,
हर अच्छे और परिस्थिति वाले
समय में भी परमात्मा पिता पर 100% निश्चय...
"एक परमात्मा बाप दूसरा ना कोई"
इसे कहा जाता है, सच्चा दिल।
सच्चा दिल अर्थात् तुम्हीं संग बैठूँ, तुम्हीं संग खाऊँ,
तुम्हीं संग मिलन मनाऊँ, हर हाल में...।

d2h 1221 | dishtv 1087 | TATA PLAY 1065
airtel 678 | SUN DIRECT 496 | JioTV 1065

The Art of Living

जीवन में अगर हम किसी व्यक्ति की मदद अपने स्वार्थ के लिए करते हैं तो हमारी वह मदद कभी भी पुण्य कर्म में नहीं गिनी जाती।
वहीं, अगर हम किसी की मदद करते हुए अपने मन में यह भाव लाते हैं कि हम उस पर उपकार कर रहे हैं तो हमारी वह मदद अपना **50%** पुण्य खो देती क्योंकि वह हमारे अंदर अहंकार की भावना उत्पन्न करती हैं।
दूसरों के लिए करी गई हमारी मदद तभी एक परोपकार के रूप में सिद्ध होती है जब हम अपने मन में यह भाव रखते हैं कि उस व्यक्ति की मदद करना वास्तव में हमारा अपना सौभाग्य है।
जीवन में हमें जो कुछ भी प्राप्त है परमपिता शिव बाबा का ही दिया हुआ है, इसलिए हम सदैव निःस्वार्थ व निरंहकार की भावना से ही दूसरों की मदद करें जिसमें वास्तव में हमारा अपना ही कई गुणा फायदा छिपा हुआ होता है।

Om Shanti

Brahma Kumaris
Daily Vichar
कोई कितना भी झूठा या कपटी हो आपके साथ,
आप तब भी सच्चे बने रहिये, क्योंकि
किसी बीमार को देख कर स्वयं को बीमार कर लेना
यह समझदारी नहीं मूर्खता है।
Bk. Naveen Sethi
Om Shanti

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org